

VIDYA BHAWAN BALIKA VIDYA PITH

शक्ति उत्थान आश्रम लखीसराय बिहार

class 12 commerce Sub. ECO/ B Date 1.6.2020

Teacher name – Ajay Kumar Sharma

INDIAN ECONOMY 1950–1990

Question 13:

Explain the statement that green revolution enabled the government to procure sufficient food grains to build its stocks that could be used during times of shortage.

ANSWER:

Green Revolution led to an increase in the production of food grains. With the use of modern technology, extensive use of fertilisers, pesticides and HYV seeds there was a significant increase in the agricultural productivity and product per farm land. In addition, the spread of marketing system, abolition of intermediaries and easy availability of credit has enabled farmers with greater portion of marketable surplus. All these factors enabled the government to procure sufficient food grains to build the buffer stock and to provide cushion against the shocks of famines and shortages. हरित क्रांति के कारण खाद्यान्न उत्पादन में वृद्धि हुई। आधुनिक तकनीक के उपयोग से उर्वरकों, कीटनाशकों और HYV बीजों के व्यापक उपयोग से कृषि उत्पादकता और उत्पाद प्रति कृषि भूमि में उल्लेखनीय वृद्धि हुई। इसके अलावा, विपणन प्रणाली के प्रसार, बिचौलियों के उन्मूलन और ऋण की आसान उपलब्धता ने किसानों को विपणन योग्य अधिशेष के अधिक हिस्से के साथ सक्षम किया है। इन सभी कारकों ने सरकार को बफर स्टॉक बनाने और अकाल और झटके के झटके के खिलाफ कुशन प्रदान करने के लिए पर्याप्त खाद्यान्नों की खरीद करने में सक्षम बनाया।

Question 14:

While subsidies encourage farmers to use new technology, they are a huge burden on government finances. Discuss the usefulness of subsidies in the light of this fact.

ANSWER:

Subsidy means availing some important inputs to farmers at a concessional rate that is much lower than its market rate. During 1960s, in order to adopt new technology HYV seeds and use of modern fertilisers and insecticides, farmers were provided inputs at a subsidised rate. Thus, the public sector role was needed to invest heavily, so as to raise

the income of people that will in turn raise the demand and so on. सब्सिडी का अर्थ है कि किसानों को रियायती दर पर कुछ महत्वपूर्ण निवेशों का लाभ उठाना जो कि उसकी बाजार दर से बहुत कम है। 1960 के दशक के दौरान, नई तकनीक HYV बीजों को अपनाने और आधुनिक उर्वरकों और कीटनाशकों के उपयोग के लिए, किसानों को अनुदानित दर पर इनपुट प्रदान किए गए। इस प्रकार, सार्वजनिक क्षेत्र की भूमिका को भारी निवेश करने की आवश्यकता थी, ताकि लोगों की आय बढ़ाने के लिए जो बदले में मांग को बढ़ाएंगे।

The following arguments are given in favour of subsidy:

- 1) Subsidy is very important for marginal land holders and poor farmers who cannot avail the essential farm inputs at the ongoing market rate.
- 2) Subsidy in 1960s was basically an incentive for the farmers to adopt modern techniques and vital inputs like fertilisers, HYV seeds, etc. The subsidy was mainly of convincing and lucrative nature so that the farmers do not hesitate to use these modern techniques.
- 3) Subsidy is generally provided to the poor farmers with the motive of reducing inequality of income between rich and poor farmers and to promote an egalitarian distribution of income.
- 4) It is argued that the adoption of new technology and techniques are not risk free and only daring farmers are only willing to adopt them.

सब्सिडी के पक्ष में निम्नलिखित तर्क दिए गए हैं:

- 1) सीमांत भूमि धारकों और गरीब किसानों के लिए सब्सिडी बहुत महत्वपूर्ण है जो मौजूदा बाजार दर पर आवश्यक कृषि आदानों का लाभ नहीं उठा सकते हैं।
- 2) 1960 के दशक में सब्सिडी मूल रूप से किसानों को आधुनिक तकनीकों और उर्वरकों, HYV बीज, आदि जैसे महत्वपूर्ण आदानों को अपनाने के लिए एक प्रोत्साहन थी। सब्सिडी मुख्य रूप से ठोस और आकर्षक प्रकृति की थी ताकि किसान इन आधुनिक तकनीकों का उपयोग करने में संकोच न करें।
- 3) आम तौर पर अमीर और गरीब किसानों के बीच आय की असमानता को कम करने और आय के एक समतावादी वितरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गरीब किसानों को सब्सिडी प्रदान की जाती है।

4) यह तर्क दिया जाता है कि नई तकनीक और तकनीकों को अपनाना जोखिम मुक्त नहीं है और केवल साहसी किसान ही उन्हें अपनाने के लिए तैयार हैं।

The following arguments are given against subsidy.

1) It is generally argued that subsidy favours and benefits fertiliser industries than the farmers. Subsidies provide a protective shield against the market conditions and, consequently, these industries need not to bother about their market share and competition.

2) Subsidies are also enjoyed by the potential farmers who do not need them. This often leads to the misallocation and wastage of the scarce resources.

3) Subsidies, if provided at a much lower rate than the market rate may lead to the wastage of resources. For example, subsidised electricity leads to the wastage of energy.

4) There is a general consensus that in order to assess the benefit and feasibility of a particular technique, subsidy should be provided but once the performance has been

judged subsidies should be stopped.

Hence, based on the above pros and cons, we can conclude that although subsidies are very useful and necessary for poor farmers and to overcome uncertainties associated with farming, it put an excessive burden on the scarce government finances. Thus, a proper planning, suitable reforms and allocation of subsidies only to the needy farmers is required.

सब्सिडी के खिलाफ निम्नलिखित तर्क दिए गए हैं।

1) आम तौर पर यह तर्क दिया जाता है कि सब्सिडी किसानों की तुलना में उर्वरक उद्योगों को लाभ देती है। सब्सिडी बाजार की स्थितियों के खिलाफ एक सुरक्षा कवच प्रदान करती है और, परिणामस्वरूप, इन उद्योगों को अपने बाजार हिस्सेदारी और प्रतिस्पर्धा के बारे में परेशान करने की आवश्यकता नहीं है।

2) सब्सिडियों का आनंद उन संभावित किसानों द्वारा भी लिया जाता है जिन्हें उनकी आवश्यकता नहीं है। यह अक्सर दुर्लभ संसाधनों के दुरुपयोग और अपव्यय की ओर जाता है।

3) सब्सिडी, यदि बाजार दर से बहुत कम दर पर प्रदान की जाती है, तो संसाधनों का अपव्यय हो सकता है। उदाहरण के लिए, सब्सिडी वाली बिजली से ऊर्जा का अपव्यय होता है।

4) एक आम सहमति है कि किसी विशेष तकनीक के लाभ और व्यवहार्यता का आकलन करने के लिए, सब्सिडी प्रदान की जानी चाहिए, लेकिन एक बार प्रदर्शन किया गया है

जजों की सब्सिडी बंद की जानी चाहिए।

इसलिए, उपरोक्त पेशेवरों और विपक्षों के आधार पर, हम यह निष्कर्ष निकाल सकते हैं कि सब्सिडी गरीब किसानों के लिए बहुत उपयोगी और आवश्यक है और खेती से जुड़ी अनिश्चितताओं को दूर करने के लिए, इसने सरकार के वित्त पर अत्यधिक बोझ डाला। इस प्रकार, एक उचित योजना, उपयुक्त सुधार और केवल जरूरतमंद किसानों को सब्सिडी का आवंटन आवश्यक है।